Downloaded From :http://cbseportal.com/

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
Central Board of Secondary Education, Delhi

Fictitious Roll No.
(To be ...

(परीक्षार्थी भरें To be filled in by the candidate)

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाये गये बाक्स में ही लिखें
Candidate should write code no. as written on the top of the question paper in this box ➡ 3/1

अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका (ओं) की संख्या
No. of supplementary answer-book (s) used ➡ Nil

परीक्षा का नाम Name of the examination AISSE 2014

कक्षा Class TENTH (X)

विषय Subject HINDI COURSE A (002)

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination Wednesday, 5th March 2014

उत्तर देने का माध्यम Medium of answering the paper

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो सम्बन्धित वर्ग में ✓ का निशान लगायें। B D H S C

B=दृष्टिहीन, D=मूक एवं बधिर, H=शारीरिक रुप से विकलांग, S=स्पस्टिक, C=डिस्लेक्सिक
If Physically challenged, tick the category
B=Blind, D=Deaf & Dumb, H=Physically Handicapped, S=Spastic, C=Dyslexic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया हां / नहीं
Whether writer provided : Yes / No

प्रमाणित किया जाता है मैंने/हमने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन प्रश्न पत्र के समुचित सेट के अनुसार और पूर्ण रूप से मूल्यांकन पद्धति के अनुसार किया है।
Certified that I/We have evaluated this answer-book according to the correct set of question paper and strictly as per the marking scheme.

प्रथम परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या
Signature & Number of First Examiner

द्वितीय परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या
Signature & Number of Second Examiner

जहाँ पर सामूहिक अंकन की व्यवस्था हो वहाँ सभी परीक्षकों के लिए हस्ताक्षर करना अनिवार्य है।
All the Examiners are required to sign where there is a provision of team marking

प्रथम समन्वयकर्ता के हस्ताक्षर व संख्या
Signature & Number of First Co-ordinator

द्वितीय समन्वयकर्ता के हस्ताक्षर व संख्या
Signature & Number of Second Co-ordinator

मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या, यदि जाँच की हो
Signature & Number of Head Examiner, if checked

Q.No.	Marks	Q.No.	Marks
01		21	
02		22	
03		23	
04		24	
05		25	
06		26	
07		27	
08		28	
09		29	
10		30	
11		31	
12		32	
13		33	
14		34	
15		35	
16		36	
17		37	
18		38	
19		39	
20		40	
TOTAL (i)		+ TOTAL (ii)	

= Grand Total of (i) & (ii) in figures

Total of marks in words

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/

Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

खण्ड - क

(1) (i) (क) निजता
(ii) (ख) आस - पड़ोस का हस्तक्षेप पसंद न करना
(iii) (क) अलगाव और अकेलापन
(iv) (ग) आत्मीयता
(v) (क) उपेक्षा करना।

(2) (i) (ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव
(ii) (क) सहज प्रेम एवं सहयोग
(iii) (ख) नैतिक मान्यताओं पर
(iv) (ग) उनके अपनत्व पर
(v) (ग) गांधी जी की नैतिकता

(3) (i) (क) देश की जनता दुखी और भूखी है
(ii) (क) भूखे को भोजन और नंगों को वस्त्र देने के लिए
(iii) (घ) देश का जनसमुदाय कठिनाइयों और कष्टों को सह रहा है
(iv) (क) क्रान्ति शिथिल हो या उग्र
(v) (घ) व्यथित प्राणी

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(4) (i) (क) मातृभूमि के प्रति गहन अनुराग
(ii) (क) देशवासियों के सुख-दुख के प्रति की सहज अनुभूति
(iii) (ख) (ख) प्राणों का आधार है
(iv) (ख) दिशाहीन जीवन
(v) (ख) अनुप्रास

खण्ड ख)

(5)
(क) भावुक
गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग,
'व्यक्ति' विशेष्य का विशेषण

(ख) कोई
सार्वनामिक विशेषण, अनिश्चय, एकवचन
'भिखारी' विशेष्य का विशेषण

(ग) यहाँ
स्थानवाचक क्रियाविशेषण, एकवचन, निश्चय सर्वनाम
'रहता है' क्रिया का क्रिया विशेषण

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(घ) वे
अन्य पुरुष, पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'पहुँच चुके हैं' क्रिया के कर्ता

(6) (क) विदुषी कक्षा में बैठी और अपनी सहेली रेखा की प्रतीक्षा करने लगी।
(ख) मिश्र वाक्य
(ग) जो छात्र प्रतिस्पर्धा में प्रथम आया, उसे बुलाओ।
(घ) वह गाड़ी चलाता है और साथ-साथ मोबाइल पर बात भी करता है।

(7) (क) माँ से रोया भी नहीं जा सकता।
(ख) मंत्री जी के द्वारा राहत-सामग्री बँटवाई गई।
(ग) उन्होंने कैप्टेन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(घ) चलिए, अब सो जाते हैं।

(8) (क) अनुप्रास ('सु' की आवृत्ति)
(ख) मानवीकरण ('थकी सोई')
(ग) उपमा (माखन-सा मन)
(घ) रूपक (प्रीति-नदी)

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(9) (क) धीरे - धीरे
रीतिवाचक क्रियाविशेषण, पुनरुक्ति, अव्यय,
'बहने लगी' क्रिया का क्रियाविशेषण

(ख) शर्मिला ने नाश्ता किया और नानी को मिलने चल दी।
(ग) बीमारी के बाद, दादा से चला भी नहीं जाता।
(घ) यमक (तार)

खण्ड ग

(10) (i) (ग) बिस्मिल्ला खाँ जैसा संगीतकार
(ii) (ख) जातियों में परस्पर बंधुत्व का भाव
(iii) (घ) भारतरत्न
(iv) (ख) सर्वश्रेष्ठ संगीतकार होने के कारण
(v) (ख) संगीत की समझ

(11) (क) नहीं, पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत बोलना उनके अनपढ़ होना का सबूत बिल्कुल भी नहीं है। प्राकृत उस ज़माने की बोल-चाल की भाषा थी। कुछ ही लोग संस्कृत बोल पाते थे, बाकि सभी लोग, चाहे वो पढ़े-लिखे हों या अनपढ़ हों, प्राकृत में ही

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

बोला करते थे। ~~वैसे भी~~ बौद्ध-जैन धर्म का सारा साहित्य प्राकृत में ही लिखा गया है। यदि देखा जाए तो, हिंदी, बांगला, तेलुगु आदि आज की प्राकृत भाषाएँ हैं किंतु इसका मतलब यह नहीं है कि इन्हें बोलने वाले सभी लोग अनपढ़ हैं। अतः प्राकृत बोलना स्त्रियों के अपढ़ होने का सबूत नहीं है।

(ख) शहनाई की दुनिया में 'डुमराँव' को दो मुख्य कारणों से याद किया जाता है। वह है —

(i) डुमराँव, प्रसिद्ध शहनाईवादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ का जन्मस्थान है। उनके पूर्वज भी वहीं के रहनेवाले थे।

(ii) दूसरा कारण यह है कि ~~शहनाई~~ व शहनाईवादन में इस्तेमाल किया जाने वाला रीड या नर्कट का घास डुमराँव में, सोन नदी के किनारे बड़े विशेष रूप से पाया जाता है।

(ग) लेखक के अनुसार संस्कृति मानव विवेक से जुड़ी है। उसके प्रेरणा के स्त्रोत कई हो सकते हैं, जैसे आग के खोज के पीछे पेट की ज्वाला की प्रेरणा रही होगी या सुई-धागे के आविष्कार के पीछे अपने तन को ढकने और उसे सुरक्षित रखने की प्रवृत्ति रही होगी; किंतु इनके अलावा, मनुष्य की आंतरिक जिज्ञासा भी उसके संस्कृति की

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्रेरणा बन सकती है। एक सुखी आदमी का निठल्ला बैठने के बजाय, तारों के बारे में जानने की कोशिश करना, उसकी जिज्ञासा का ही परिणाम है। लेखक मानते हैं कि जो व्यक्ति अपनी विवेक से इस समाज को किसी नए तथ्य से परिचित कराता है, वही एक संस्कृत व्यक्ति कहलाता है। जैसे न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज की, अतः वह एक संस्कृत व्यक्ति है। साथ ही सारे सुख त्यागकर, सच्चाई को ढूँढने के लिए निकले गौतम बुद्ध भी संस्कृत हैं। लेखक का कहना है कि संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है। इसको साबित करने के लिए यह उदाहरण दिया कि मनुष्य हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई, अपने संप्रदायों के बावजूद सर्वश्रेष्ठ चीजे अपनाता है।

(घ) बिस्मिल्लाह खाँ का काशी से एक अटूट संबंध था। वे गंगा को 'मैया' कहते थे। काशी विश्वनाथ के प्रति उनके हृदय में अपार श्रद्धा की भावना थी। जब भी वे काशी से बाहर रहते, वे कुछ समय के लिए कहीं क्यों नहीं, काशी ~~विश्वना~~ विश्वनाथ के दिशा मे मुड़कर बैठ जाते और शहनाई बजाते। इससे उनका, 'बाबा' विश्वनाथ के प्रति श्रद्धा प्रकट होती है। वे मानते थे कि उनका, 'बाबा' विश्वनाथ के साथ का रिश्ता अटूट और अनंत है।

Downloaded From : http://cbseportal.com/
Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ङ) ~~स्त्री~~ व स्त्री-शिक्षा के विरोधी कई तर्क देकर अपने इस दुरविचार का समर्थन करते थे, जैसे -

(i) प्राचीन नाटकों में स्त्रियाँ संस्कृत की जगह प्राकृत बोलती थीं। इससे यह पता चलता है कि उस ज़माने में भारतवर्ष की स्त्रीयों को अनपढ़ रखा गया था।

(ii) संत शकुंतला बहुत कम पढ़ी-लिखी थी किंतु इतनी कम पढ़ाई के बावजूद भी ~~उसस~~ उसने दुष्यंत को इतने कटु शब्द कहे। स्त्रियों का इतना कम पढ़ना भी अनर्थ कर देता है। अतः स्त्रियों को नहीं पढ़ना पढ़ाया जाना चाहिए।

(12) (क) लड़की का ~~अपना~~ अपने चेहरे पर रीझना हानिकारक है क्योंकि ससुराल के लोग उसके सुँदरता की प्रशंसा करेंगे और, अगर वो उनकी बातों में आकर अपने ही सुँदरता पर मंत्र मुग्ध हो जाती है तो यही बात उसको सांसारिक बँधन में बाँधकर रख सकती है। उसे हमेशा सचेत रहना चाहिए और ~~ख~~ यथार्थ को समझने ~~चाहिए~~ की कोशिश करनी चाहिए।

(ख) यहाँ 'आग' के माध्यम से समाज की दो समस्याओं की ओर

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From :http://cbseportal.com/

संकेत किया गया है -

(i) गृह हिंसा और स्त्रियों पर अत्याचार। कभी-कभी तो उन्हे डौरी या किसी अन्य मामले में ज़िंदा जला दिया जा रहा है।

(ii) स्त्रियों को सांसारिक बंधन में बाँध दिया जा रहा है। खाना बनाना व घर के पालन-पोषण तक ही उन्हे सीमित रखा जा रहा है।

(ग) वस्त्र और आभूषण के प्रति स्त्रियों का आकर्षण स्वाभाविक होता है। स्त्रियाँ अपनी खूबसूरती पर रीझती हैं। वस्त्र और आभूषण उन्हें, उनकी सुँदरता को बढ़ाने के माध्यम लगते हैं। अतः वे उनके शाब्दिक भ्रमों मे खोई रहती हैं।

(घ) ससुराल के लोग बहु को वस्त्र और आभूषण देकर उसका मन जीतने की कोशिश करते हैं। वे उसे इनका लोभ देकर उन्हें घरेलू बँधनों मे बाँध देते हैं। उससे घर का सारा काम करवाते हैं।

(ङ) माँ ने अपनी बेटी को यह सब सीख इसलिए दी क्योंकि उसकी

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

बेटी अभी भोली और सरल थी, सयानी नहीं थी। उसे वैवाहिक जीवन के काल्पनिक सुखों का अंदाज़ा था किंतु वो सांसारिक जीवन के यथार्थ और लोकव्यवहार से अपरिचित थी। अत: माँ उसे यह सब बताकर सचेत करना चाहती है।

(13) (क) संगतकार ऐसे व्यक्ति होते हैं जो किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं किंतु कभी, खुद चर्चा मे नहीं आते। ऐसे लोगों की जीवन मे बड़ी विशेष उपयोगिता है। वे पीछे रहकर मुख्य कलाकार या व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, उनका साथ देते हैं और सफलता के चरम शिखर पर पहुँचकर लड़खड़ाते वक्त उनको सँभालते हैं।

(ख) लड़की की विदाई के क्षण माँ के लिए ही विशेषत: अधिक दुखद इसलिए होती है क्योंकि उसने उसे बड़े लाड़-प्यार से बड़ा किया था। वह उसकी साथी थी जिससे वो अपनी हर बात कहती, अपने हर सुख-दुख बाँटती थी। वह उसको अपनी अंतिम पूँजी लगती है। साथ ही उसे उसकी चिंता है। वो, बहु को ससुराल में जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, उससे परिचित थी इसलिए वो अपनी बेटी की चिंता करती है।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(ग) 'छाया मत छूना' कविता में कवि ने यर्थाथ के पूजन की बात इसलिए कही है क्योंकि वही जीवन की सच्चाई है। मनुष्य बीती हुई मधुर यादों में खोया रहता है और सच्चाई से बचकर भागने की कोशिश करता है किंतु उसका सच का सामना करना अनिवार्य है। उसके हिसाब से यर्थाथ ही सर्वस्व है। वो चंद्रिका के साथ आने वाली कृष्णा के समान सुख के साथ आता दर्द है।

(घ) यहाँ 'छाया' का प्रयोग बीती हुई मधुर यादों के लिए, यश, वैभव और बड़प्पन के लिए की गई है। मनुष्य इन सब चीज़ों के पीछे भागता है किंतु वह उसे कभी प्राप्त नहीं होती। वो मधुर यादों मे खोया रहता है जिससे यर्थाथ उसके लिए और कठिन हो जाता है और जीवन बोजिल। अतः कवि ने इन्हें छूने से मना किया है।

(ड.) परशुराम एक बाल ब्रह्मचारी व अति क्रोधी मुनी थे। वे शिवजी के भक्त थे। जब उन्हें पता चला की सीता-स्वयंवर में शिवधनुष को तोड़ दिया गया है वे अति क्रोधी हो उठे। वे शिवधनुष का तोड़ना, उनके स्वामी का अपमान करने के

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

समान मानते थे। यही उनके क्रोध का मूल कारण था। साथ ही लक्ष्मण व्यंग्य वचने उनके अंदर की आग को और उत्तेजि बहका रही थी।

(14) भारत एक बड़ा ही सुंदर देश है। किंतु इसके प्राकृतिक स्थानों के सौंदर्य का आनंद लेते समय अधिकांश सैलानी वहाँ के पर्यावरण को दूषित करते हैं। देश के नागरिक होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी रक्षा करें। इसकी नैसर्गिक सौन्दर्य की सुरक्षा के लिए हम ~~निम्नलिखि~~ निम्नलिखित योगदान देंगे –

(i) अपने शासकों पर पर्यटिक स्थानों की सुरक्षा के लिए नियम बनाने के लिए दबाव डालेंगे।
(ii) हम खुद कभी ऐसी हरकत नहीं करेंगे।
(iii) हम अन्य नागरिकों को इस विषय के प्रति जागरूक करेंगे।
(iv) प्रकृति की महता के बारे मे उनको बताएँगे।

(15) (ख) "मन पर किसी का बस नहीं, वह रूप या उमर का कायल नहीं होता।" दुन्नू ने यह, दुलारी से कहा। दुन्नू दुलारी को सच्चे हृदय से चाहता था। वो उससे कई साल बड़ी थी किंतु दुन्नू का कहना था कि उसका प्यार उसके आत्मा से जुड़ी है नाकि उसके शरीर से।

Downloaded From : http://cbseportal.com/

Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

इसका आशय यह है कि सच्चा प्यार उम्र या रूप के बँधनो मे नहीं बँधा रहता, वह आत्मा से जुड़ा होता है।

(ग) विदेशी वस्त्रों को जलाए जाने वाले ढेर मे दुलारी द्वारा नई साड़ियों को फेंका जाना उसकी देशभक्ति व टुन्नू के प्रति आदर को दर्शाता है। उसने टुन्नू से खद्दर धारण करने की सीख ली। साथ ही यह उसके साहस, निडरता और दृढ़ता का परिचायक है।

(घ) "मैं क्यों लिखता हूँ" पाठ के लेखक ने हिरोषिमा के विस्फोट और उसके परिणाम के बारे में सुनकर या उसे प्रत्यक्ष देखकर भी उसका भोक्ता नहीं बन पाई। एक बार जब वह हिरोशिमा के किसी सड़क पर चलते वक्त घूम रहा था तो उसकी नज़र एक पत्थर पर पड़ी जिस पर एक मानव की पिघली हुई छाया थी। उन्होंने सोचा कि शायद बम विस्फोट के वक्त कोई इंसान उस पत्थर के पास खड़ा रहा होगा। विस्फोट से निकली रेडियोधर्मी-किरणों ने उसे भाप बनाकर उड़ा ले गए होंगे और उसकी छाया उस पत्थर पर छोड़ गए होंगे। उस दृश्य को देखते ही लेखक अपने

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

आपको उस विस्फोट का भोक्ता मान लिया।

(16) (क) मित्र कैसा हो?

"कहि रहीम संपत्ति सगे; बनत बहुत बहु रीत
बिपति कसौटी जे कसे; तेई साँचे मीत॥" – रहीम

मित्र ~~जीवन~~ का एक इंसान के जीवन में अलग ही महत्व है। मित्र मानव जीवन की आवश्यकता है। मित्र हमें सहारा देते हैं, हमारे सुख दुख को बाँटते हैं और हमेशा हमारा साथ देते हैं।

सच्चा मित्र वही होता है जो हमारे सुख को नहीं बल्कि जो हमारे दुख को बाँटता है। कठिन समयों में वह ~~हमें~~ हमारा हौसला बढ़ाता है और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एक सच्चा मित्र कभी भी, किसी भी कीमत पर हमारा साथ नहीं छोड़ता, न ही हमें धोखा देता है। वो हमेशा हमारी भलाई चाहता है और हमे सही रास्ता दिखाता है। एक सच्चा मित्र भले ही हमारी खूबी-कमियाँ बताये पर वो हमे उन्हें सुधारने के लिए प्रेरित करता है। सरल शब्दों में हम कह सकते हैं कि एक सच्चा मित्र एक सच्चा साथी होता है, हमारी हर मुश्किल मे साथ देकर मदद

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

करता है।

यह सच है कि एक सच्चे मित्र को चुनना मुश्किल है किंतु वो नामुमकिन नहीं है। हमें अपने मित्र बड़े सावधानी से चुनना चाहिए। उनके स्वभाव को समझना चाहिए। हमें हमेशा ~~कुबुध~~ कुबुद्धी इंसानो से दूर रहना चाहिए। हमे गलत और सही का फर्क पता होना चाहिए। वही सच्चा मित्र है जो हमारी गलतियों को दिखाकर उन्हे सुधारने की प्रयास करता है नाकि हरदम हमारी पूजा करता है। एक सच्चा मित्र मिलना मुश्किल है और एक बार मिलने के बाद उसे कभी न जाने देना।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(17) प्रेषक :
टी. निहारिका
202, 'ब' ब्लॉक
क. ख. ग. गाँव

दिनांक :- 5 मार्च 2014

सेवा में,
मुख्य विधायक
क. ख. ग. गाँव
च. छ. ज. ज़िला

विषय :- बालिका-विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध।

महोदय,
नम्र निवेदन है कि मैं आपके क्षेत्र की क. ख. ग. गाँव की निवासी हूँ। मैं अपनी बेटी और ~~माँ~~ अनेक गाँववासियों की लड़कियों के लिए हमारे गाँव में एक बालिका-विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध करती हूँ। अधिकतर गाँववासियों को अपनी बेटियों

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

को विद्यालय न भेजने का मुख्य कारण गाँव में विद्यालय का न होना ही है। वो अपनी बेटियों को दूर किसी शहर में पढ़ाई के लिए नहीं भेजना चाहते। अतः आपसे अनुरोध है कि आप हमारे गाँव में एक बालिका-विद्यालय स्थापित कर हमें कृतार्थ करें।

धन्यवाद!

भवदीया
टी. निहारिका

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/
Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From : http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From :http://cbseportal.com/

SEEN

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT

Downloaded From :http://cbseportal.com/

0905

2014

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. उत्तर-पुस्तिका लेते ही सुनिश्चित कर कि इसमें कवर सहित 32 पृष्ठ हैं एवं सही क्रम में है।
2. उत्तर-पुस्तिका, पूरक उत्तर-पुस्तिका, ग्राफ पेपर, नक्शे आदि के अन्दर अथवा बाहर कोई विशेष चिन्ह अथवा निशान न लगाये।
3. अपना अनुक्रमांक, नाम, विद्यालय का नाम व परीक्षा का स्थान किसी उत्तर में न लिखें।
4. अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका की क्रम संख्या उपस्थिति शीट पर लिखें।
5. दोनों ओर तथा प्रत्येक लाइन पर लिखें तथा चौड़ा हाशिया छोड़कर पृष्ठों को नष्ट न करें।
6. उत्तर-पुस्तिका के पृष्ठों को मोड़े या फाड़े नहीं और बीच-बीच में व्यर्थ ही खाली न छोड़ें। पूरक उत्तर-पुस्तिका की मांग तब तक न की जाए जब तक यह उत्तर-पुस्तिका/पिछली उत्तर-पुस्तिका भर न जाए।
7. प्रश्न पत्र में दी हुई संख्या के अनुसार अपने उत्तरों की संख्या लिखें।
8. प्रश्न (अथवा प्रश्न के एक भाग) के समाप्त होने पर एक नीचे रेखा खींच दें।
9. यदि आपके द्वारा ग्राफ पेपर, नक्शा अथवा अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका काम में ली गई हो तो उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ अच्छी प्रकार से नत्थी कर दें। परन्तु अपना अनुक्रमांक ग्राफ, नक्शे, अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका आदि पर न लिखें।
10. केवल नीली-काली अथवा गहरी नीली स्याही/जेल/बाल प्वाईंट पेन का प्रयोग करें अन्य किसी लेखन यंत्र/स्याही/पेंसिल का प्रयोग करना आपका अपना जोखिम एवं उत्तरदायित्व होगा।
11. रफ अथवा कच्चे काम आदि के लिए संबंधित पृष्ठ के दांयी ओर उचित हाशिया खींच लें, बाद में रफ काम को एक रेखा द्वारा काट दें।
12. सहायक अधीक्षक को उत्तर-पुस्तिका दिये बिना परीक्षा भवन न छोड़ें।
13. यदि परीक्षा के दौरान, कोई परीक्षार्थी निम्नलिखित में से किसी में भी शामिल पाया जाता है तो यह मान लिया जाएगा कि परीक्षार्थी ने परीक्षाओं में अनुचित साधनों को अपनाया है और उसका परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किया जाएगा। किन्तु उस पर अनुचित साधन (यू.एफ.एम.) अंकित कर दिया जाएगा :-
   (क) यदि उसके पास संबंधित पेपर की परीक्षा से सम्बद्ध कागज, पुस्तकें, नोट्स अथवा कोई अन्य सामग्री पायी गयी हो;
   (ख) यदि वह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार की सहायता प्रदान कर रहा हो अथवा प्राप्त कर रहा हो या ऐसा करने का प्रयास कर रहा हो;
   (ग) यदि वह उत्तर लिखने के लिए केन्द्र अधीक्षक द्वारा दी गई उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार की सामग्री में प्रश्न अथवा उत्तर लिख रहा हो;
   (घ) यदि वह उत्तर-पुस्तिका अथवा पूरक उत्तर पुस्तिका इत्यादि के पृष्ठ फाड़ रहा हो;
   (ङ) यदि वह परीक्षा केन्द्र में परीक्षा के दौरान परीक्षा स्टाफ के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से सम्पर्क करने अथवा पत्र व्यवहार कर रहा हो या ऐसा करने का प्रयास कर रहा हो;
   (च) परीक्षा कक्ष से उत्तर पुस्तिका बाहर ले जाने पर;
   (छ) परीक्षा संबंधी कोई अन्य अवांछनीय तरीकों अथवा साधनों का प्रयोग करने अथवा ऐसा करने का प्रयास करने पर;
   (ज) प्रश्न पत्र अथवा उसका कुछ भाग बाहर भेजने अथवा उत्तर-पुस्तिका/पूरक उत्तर-पुस्तिका शीट अथवा इसका कुछ भाग बाहर भेजने पर; और
   (झ) परीक्षाओं के आयोजन से सम्बद्ध किसी कर्मचारी अथवा किसी परीक्षार्थी को धमकी देने पर।

Instructions to Candidates

1. Make sure that the answer-book contains 32 pages and are properly serialed in number (including title pages) as soon as you receive it.
2. DO NOT make any special sign or mark in or outside the answer-book, supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
3. DO NOT write your roll no. name of your school or place of examination in any of your answers.
4. You must write the supplementary answer-book serial no. in the attendance sheet.
5. Write on each ruled line on both sides and do not waste pages by leaving a wider margin.
6. DO NOT tear out or fold the pages of the answer-book and do not leave any page blank unnecessarily. No supplementary answer-book(s) should be asked for unless this answer-book / the previous supplementary answer-book is finished.
7. Number your answers according to their numbers in the question paper.
8. Draw a line when a question (or a part thereof) is finished.
9. Securely tag your answer-book with supplementary answer-book(s), graph-paper, map etc. if used by you, but DO NOT write your Roll No. on the supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
10. Use only blue-black or royal-blue ink/gel/ball point pen. Using of any other writing instrument/ink/pencil etc will be on your own risk and responsibility.
11. For rough calculation etc. appropriate margin on the right-hand side of the page my be drawn. The rough calculations etc. should be crossed out afterwards.
12. DO NOT leave the examination hall without handing over the answer-book to the Asstt. Supdt.
13. If during the course of examination, a candidate is found indulging in any of the following, he/she shall be deemed to have used unfair means at the examinations, and as such his/her result shall not be declared but shall be marked as UNFAIR MEANS (U.F.M) :-
   (a) having in possession papers, books, notes or any other material or information relevant to the examination in the paper concerned;
   (b) giving or receiving assistance directly or indirectly of any kind or attempting to do so;
   (c) writing questions or answers on any material other than the answer book given by the Centre Superintendent for writing answers;
   (d) tearing of any page of the answer-book or supplementary answer-book etc.
   (e) contacting or communicating or trying to do so with any person, other than the Examination Staff, during the examination time in the examination centre;
   (f) taking away the answer-book out of the examination hall/room;
   (g) using or attempting to use any other undesirable mathod or means in connection with the examination;
   (h) smuggling out Question Paper or its part or smuggling out answer-book/supplementary answer-sheet or part thereof; and
   (i) threatening any of the officials connected with the conduct of the examinations or threatening of any of the candidates.

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : NCERT